जीआईएस स्थल पर आज तैयार हो जाएगा वाल्मीकि पंडाल

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : इसी पंडाल में प्रधानमंत्री 10 फरवरी को करेंगे समिट का उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2023 के लिए वृंदावन योजना में उद्यमियों के स्वागत की तैयारी बुधवार रात तक पूरी हो जाएगी। इसमें ग्लोबल ट्रेड शो के अलावा वाल्मिकी पंडाल को प्राथमिकता दी गई है। वाल्मिकी पंडाल में ही 10 फरवरी को सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन में करीब 40 देशों के उद्यमी व प्रतिनिधि शामिल होंगे, जोकि यूपी सरकार के साथ अपने निवेश के लिए एमओयू साइन करेंगे। समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आयोजन में शामिल होना है।

डीएम सूर्यपाल गंगवार ने बताया कि जीआईएस स्थल पर टाइमलाइन के मुताबिक काम पूरे हो रहे हैं। बुधवार रात तक सभी प्रमुख पंडाल तैयार हो जाएंगे। वहीं बृहस्पतिवार को ट्रेड शो के लिए भी प्रदर्शनी हॉल गंगा, गोमती और केन तैयार हो जाएंगे। पार्टनर देश यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, नीदरलैंड, सिंगापुर, मॉरिशस, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, इटली के भी उद्यमी भी अपनी प्रदर्शनी लगाएंगे। इन देशों के राष्ट्रीय ध्वज भी सहयोग को सम्मान देने के लिए नैमिष कुंड के अलावा आयोजन स्थल के अंदर भी लगाए गए हैं।

■ ***सुबह आठ बजे से जीआईएस स्थल पर ड्यूटी करें अधिकारी :*** डीएम सूर्यपाल गंगवार ने मंगलवार को कामों की समीक्षा के लिए बैठक की। इसमें अधिकारियों को कहा गया है कि 24 घंटे कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहकर काम कराएं। खासतौर पर लेसा और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी अपने कामों में तेजी लाने के लिए ऐसा करेंगे। जिन अधिकारियों की ड्यूटी जीआईएस आयोजन में लगी है। वे बुधवार से एक्टिव मोड में सुबह आठ बजे से आयोजन स्थल पर ही रहेंगे। सीएमओ को भी आयोजन स्थल पर ही एक मेडिकल कैंप शुरू कराने का आदेश हुआ है। यहां कोविड जांच के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट की सुविधा भी रखी जाएगी।

आयोजन स्थल पर भारत समेत सभी मित्र देशों के झंडे लगाए गए हैं। -संवाद

आयोजन स्थल

■ 25 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में बना जीआईएस स्थल ■ 5 पंडाल में रहेंगे तकनीकी सत्र ■ 3 हॉल में लगेगी ग्लोबल ट्रेड शो ■ 15 हजार मेहमान आयोजन में शामिल होंगे ■ 3 दिन चलेगा आयोजन।

ये रहेगा आकर्षण

■ ग्लोबल ट्रेड शो ■ अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट ■ स्टार्टअप, इनोवेशन समिट ■ एमएसएमई के लिए वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम ■ महिला उद्यमियों के लिए विशेष पवेलियन ■ एक जिला, एक उत्पाद शोकेस

■ टेंट सिटी में दिखने लगा वैभव

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए अवध विहार योजना में तैयार की गई तीन टेंट सिटी जहां मेहमानों के लिए हर सुविधा मिलेगी, वहीं यहां अयोध्या, काशी और प्रयागराज के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक वैभव को भी दिखाया गया है। करीब 750 सुइट्स के इन तीनों टेंट सिटी में मेहमानों को पांच सितारा सुविधाएं मिलेंगी।

मॉक ड्रिल : होटल सेंट्रम पर रासायनिक हमला, रेस्क्यू में जुट गईं एनडीआरएफ व सीआरपीएफ

लखनऊ। मंगलवार दोपहर 12 बजे अचानक से अधिकारियों को मैसेज मिला कि होटल सेंट्रम में रासायनिक हमला हो गया है। इसके बाद आनन-फानन एनडीआरएफ और सीआरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायलों को बहुमंजिला इमारत से निकालने और उनको प्राथमिक चिकित्सा देकर अस्पताल में इलाज के लिए भेजना शुरू किया गया। कोई भी जनहानि नहीं हुई है। मंगलवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल होटल सेंट्रम में मॉकड्रिल में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल एंड न्यूक्लियर इमरजेंसी में रासायनिक हमले में बचाव कार्य किए गए। 13 से 15 फरवरी तक होटल सेंट्रम में जहां जी-20 शिखर सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों और उनके प्रतिनिधियों को शामिल होना है। वहीं 10 से 12 फरवरी तक इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भी प्रमुख उद्यमी व मेहमान यहां रुकेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

एक तरफ निवेशक, दूसरी ओर बराती, असमंजस में होटल कारोबारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। इन्वेस्टर्स समिट और जी-20 की तैयारियों के बीच होटल व्यवसायी असमंजस में हैं। वे प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन की हर संभव मदद तो करना चाहते हैं, पर अपने होटल में शादियों की पहले से हुई बुकिंग को रद्द करना भी उनके लिए संभव नहीं है। इस बीच बृहस्पतिवार से इन्वेस्टर्स समिट के मेहमानों का आगमन शुरू हो जाएगा।

फिलहाल होटल एसोसिएशन, होटल कारोबारी सभी अपने-अपने स्तर से त्रिस्तरीय व्यवस्था की योजना पर काम कर रहे हैं। प्रशासन के साथ भी कारोबारियों की बैठकों का दौर जारी है।

उनका कहना है कि यदि यही आयोजन कुछ पहले या बाद हुआ होता तो होटल इंडस्ट्री ने बीते वर्षों में जो कुछ खोया था, उस नुकसान की भरपाई हो जाती। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के महासचिव गिरीश ओबराय का कहना है कि होटलों में कमरों की संख्या सीमित है। ऐसे में दो बड़े आयोजन और शादियों का सीजन, मुश्किलें बढ़ाने वाला है।

हालांकि सभी होटलों को कह दिया गया है कि नई बुकिंग नहीं लेनी है। साथ ही जो पुरानी बुकिंग हैं, उसकी रसीद जरूर रखें। यहां किराए की बात नहीं है, क्योंकि पिछली बार भी सरकारी कीमतें तय थीं। इस बार भी हमने यही वादा किया है कि हम कीमतों में कोई बड़ा

कल से पहुंचने लगेंगे सरकारी मेहमान, आज होटलों को सौंपी जाएगी सूची

नई बुकिंग नहीं ले रहे, बचे रूम खाली ही हैं

उत्तर प्रदेश होटल एसोसिएशन के संयुक्त सचिव श्याम कृष्णानी कहते हैं कि अब कोई होटल शादियों की नई बुकिंग नहीं ले रहा है। जो रूम खाली थे, वे खाली ही रखे गए हैं। अधिकारी हों या कारोबारी, सभी अपने-अपने स्तर से चीजों को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। मेहमानों की संख्या पर सबकुछ निर्भर करता है। खाली कमरों की संख्या हमने पहले ही दे दी है। हमने कहा है कि इससे अधिक चाहिए तो बताएं, फिलहाल उनकी ओर से अभी कोई जवाब नहीं आया है।

बीते दिनों सीएम के साथ हुई बैठक में भी हमने अपनी बात रखी थी और उन्होंने उसे सुना था। कोई भी होटल देने से इनकार नहीं कर रहा, समस्या के हल तलाशे जा रहे हैं। शहर में लगभग 50 होटल ऐसे हैं, जिनमें सरकारी मेहमान रुक सकते हैं। इसमें शीर्ष 25 बहुत खास के लिए हैं। जल्द से जल्द मेहमानों की संख्या स्पष्ट हो जाए तो कुछ दिक्कत कम हो जाएगी। प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि कुल 100 होटलों में इंतजाम किए गए हैं। इनमें 30 ए ग्रेड, 20